

**Note :** If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – [www.jainelibrary.org](http://www.jainelibrary.org) and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

## Abhidhan Chintamani Kosh

|             |  |
|-------------|--|
| Folder No.  | 016087                                       |
| Granth Name | Abhidhan Chintamani Kosh                     |
| Author      | Hemchandracharya                             |
| Publisher   | Devchand Lalbhai Jain Pustakodhar<br>Samstha |
| Edition     | 1  |
| Year        | 1946   |
| Pages       | 800  |

## अभिधानचिन्तामणी कोश

|              |                                       |
|--------------|---------------------------------------|
| फोल्डर नं.   | ०१६०८७                                |
| ग्रन्थ       | अभिधानचिन्तामणी कोश                   |
| लेखक         | हेमचन्द्राचार्य                       |
| प्रकाशक      | देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार संस्था |
| आवृत्ति      | १                                     |
| प्रकाशन वर्ष | १९४६                                  |
| पृष्ठ        | ८००                                   |

मुख्य टाइटल

प्राक्कथन

विषयक्रम

|  |         |
|--|---------|
| अभिधानचिन्तामणि: -----   | १-२०४   |
| देवाधिदेवकाण्ड -----   | १-१३    |
| देवकाण्ड -----   | १४-४७   |
| मर्त्यकाण्ड -----  | ४८-१२७  |
| तिर्यक्काण्ड -----   | १२७-१८२ |
| नरककाण्ड -----   | १८२-१८३ |
| सामान्यकाण्ड -----   | १८३-२०४ |
| शेषनाममाला -----   | २०५-२२८ |
| नाममालाशिलोञ्छ -----   | २२९-२४६ |
| निघंटुशेष -----  | २४६-२८६ |
| अभिधानचिन्तामणौ शुद्धिपत्रकम् -----                              | १-२६    |
| अभिधानचिन्तामणिकोशस्य अकारादिवर्णानुक्रमेण शब्दानुक्रमणिका ----- | १-४४०   |
| लिङ्गानुशासनम् -----   | १       |
| एकाक्षरकोष: -----  | १-१६    |